पौलुस की कारागृह से लिखी पत्रियाँ

अध्ययन निर्देशिका

अध्याय चार

पौलुस और फिलेमोन

THIRD MILLENNIUM MINISTRIES

Biblical Education. For the World. For Free.

For videos, manuscripts, and other resources, visit Third Millennium Ministries at thirdmill.org.

विषय-वस्तु

इस अध्याय को कैसे इस्तेमाल करें और अध्ययन निर्देशिका 4

नोट्स 6

I. परिचय (0:27) 6

II. पृष्ठभूमि (1:56) 6

A. लोग (2:59) 6

1. फिलेमोन (3:31) 6

2. उनेसिमुस (6:23) 7

3. गवाह (9:12) 7

B. समस्या (11:53) 8

C. मध्यस्थता (17:37) 9

1. उनेसिमुस की विनती (18:05) 9

2. पौलुस का समझौता (20:56) 10

III. संरचना और विषय-वस्तु (26:52) 11

A. अभिवादन (28:50) 12

B. आभार-प्रदर्शन (29:59) 12

C. विनती (32:48) 13

1. वकील के रूप में पौलुस (33:45) 13

2. विनती करने वाले के रूप में उनेसिमुस (37:16) 14

3. स्वामी के रूप में फिलेमोन (40:55) 15

4. शासक के रूप में परमेश्वर (43:25) 15

5. विनती (45:32) 16

6. भरोसा (53:01) 17

D. अंतिम अभिनंदन (54:53) 17

IV. आधुनिक प्रयोग (55:54) 18

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

A. उत्तरदायित्व (57:26) 18

B. करुणा (1:02:59) 20

1. दया (1:04:34) 20

2. मध्यस्थता (1:06:39) 21

C. मेलमिलाप (1:08:32) 21

V. उपसंहार (1:13:39) 22

पुनर्समीक्षा के प्रश्न 23

उपयोग के प्रश्न 29

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

इस अध्याय को कैसे इस्तेमाल करें और अध्ययन निर्देशिका

इस अध्ययन निर्देशिका को इसके साथ जुड़े वीडियो अध्याय के साथ इस्तेमाल करने के लिए तैयार किया गया है। यदि आपके पास वीडियो नहीं है तो भी यह अध्याय के ऑडियो और/या लेख रूप के साथ कार्य करेगा। इसके साथ-साथ अध्याय और अध्ययन निर्देशिका की रचना सामूहिक अध्ययन में इस्तेमाल किए जाने के लिए की गई है, परन्तु यदि जरुरत हो तो उनका इस्तेमाल व्यक्तिगत अध्ययन के लिए भी किया जा सकता है।

- **इससे पहले कि आप वीडियो देखें**
    - **तैयारी करें** — किसी भी बताए गए पाठन को पूरा करें।
    - **देखने की समय-सारणी बनाएं** — अध्ययन निर्देशिका के नोट्स के भाग में अध्याय को ऐसे भागों में विभाजित किया गया है जो वीडियो के अनुसार हैं। कोष्ठक में दिए गए समय कोड्स का इस्तेमाल करते हुए निर्धारित करें कि आपको देखने के सत्र को कहाँ शुरू करना है और कहाँ समाप्त। IIIM अध्याय अधिकाधिक रूप में जानकारी से भरे हुए हैं, इसलिए आपको समय-सारणी में अंतराल की आवश्यकता भी होगी। मुख्य विभाजनों पर अंतराल रखे जाने चाहिए।
- **जब आप अध्याय को देख रहे हों**
    - **नोट्स लिखें** — सम्पूर्ण जानकारी में आपके मार्गदर्शन के लिए अध्ययन निर्देशिका के नोट्स के भाग में अध्याय की आधारभूत रूपरेखा रहती है, इसमें हर भाग के आरंभ के समय कोड्स और मुख्य बातें भी रहती हैं। अधिकांश मुख्य विचार पहले ही बता दिए गए हैं, परन्तु इनमें अपने नोट्स अवश्य जोड़ें। आपको इसमें सहायक विवरणों को भी जोड़ना चाहिए जो आपको मुख्य विचारों को याद रखने, उनका वर्णन करने और बचाव करने में सहायता करेंगे।
    - **टिप्पणियों और प्रश्नों को लिखें —** जब आप वीडियो को देखते हैं तो जो आप सीख रहे हैं उसके बारे में आपके पास टिप्पणियां और/या प्रश्न होंगे। अपनी टिप्पणियों और प्रश्नों को लिखने के लिए इस रिक्त स्थान का प्रयोग करें ताकि आप देखने के सत्र के बाद समूह के साथ इन्हें बाँट सकें।
    - **अध्याय के कुछ हिस्सों को रोकें/पुनः चलाएँ** — अतिरिक्त नोट्स को लिखने, मुश्किल भावों की पुनः समीक्षा के लिए या रुचि की बातों की चर्चा करने के लिए वीडियो के कुछ हिस्सों को रोकना और पुनः चलाना सहायक होगा।
- **वीडियो को देखने के बाद**
    - पुनर्समीक्षा के प्रश्नों को पूरा करें — पुनर्समीक्षा के प्रश्न अध्याय की मूलभूत विषय-वस्तु पर निर्भर होते हैं। आप दिए गए स्थान पर पुनर्समीक्षा के प्रश्नों का उत्तर दें। ये प्रश्न सामूहिक रूप में नहीं बल्कि व्यक्तिगत रूप में पूरे किए जाने चाहिए।
    - उपयोग प्रश्नों के उत्तर दें या उन पर चर्चा करें — उपयोग के प्रश्न अध्याय की विषय-वस्तु को मसीही जीवन, धर्मविज्ञान, और सेवकाई से जोड़ने वाले प्रश्न हैं। उपयोग के प्रश्न लिखित सत्रीय कार्यों के रूप में या सामूहिक चर्चा के रूप में उचित हैं। लिखित सत्रीय कार्यों के लिए यह उचित होगा कि उत्तर एक पृष्ठ से अधिक लम्बे न हों।

© 2013 by Third Millennium Ministries
www.thirdmill.org

तैयारी

- फिलेमोन की पत्री पढ़ें।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

नोट्स

I. परिचय (0:27)

II. पृष्ठभूमि (1:56)

A. लोग (2:59)

1. फिलेमोन (3:31)

फिलेमोन — सुसमाचार की सेवकाई में पौलुस का सहभागी, और स्थानीय कलीसिया के मेजबान।

फिलेमोन का पौलुस के साथ महत्वपूर्ण इतिहास रहा होगा जिसने इन दोनों व्यक्तियों के बीच एक मजबूत बंधन प्रदान किया हो।

पौलुस का फिलेमोन पर बड़ा ऋण था।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

हम नहीं जानते कि किस प्रकार पौलुस और फिलेमोन मित्र बने। परन्तु हम विश्वास के साथ यह कह सकते हैं कि वे एक-दूसरे को भली-भांति जानते थे।

2. उनेसिमुस (6:23)

उनेसिमुस — फिलेमोन का दास और फिलेमोन के परिवार का सदस्य; शुरु में विश्वासी नहीं था।

पौलुस ने उनेसिमुस का उल्लेख अपने "पुत्र" के रूप में किया क्योंकि उसी ने मसीह में विश्वास करने को उसे प्रेरित किया था और क्योंकि पौलुस के मन में उसके लिए पिता का प्रेम विकसित हो गया था।

3. गवाह (9:12)

पौलुस ने फिलेमोन को लिखी अपनी पत्री में कुछ अन्य कुलुस्सियों का उल्लेख भी किया था :

- आफफिया
- अरखिप्पुस
- इपफ्रास

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

पौलुस ने उनसे यह आशा की थी कि वे उसके परिचित गवाह ठहरेंगे और उनेसिमुस के लिए उसके आग्रह में सहायता करेंगे।

इपफ्रास की इस बात को निश्चित करने में गहरी रूचि थी कि फिलेमोन पौलुस के पत्र का उचित रूप से प्रत्युत्तर दे।

B. समस्या (11:53)

"उनेसिमुस" नाम को यूनानी शब्द से लिया गया है जिसका अर्थ होता है "उपयोगी" या काम का"। परन्तु उनेसिमुस किसी काम का साबित नहीं हुआ था।

उनेसिमुस ने वास्तव में फिलेमोन को बहुत बड़ा नुकसान पहुंचाया होगा।

रोमी कानून के तहत स्वामियों के पास दासों को कड़ा दण्ड देने का अधिकार था, वे उन्हें कड़ी शारीरिक सजा भी दे सकते थे। उनेसिमुस भय से भाग खड़ा हुआ।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

इस परिस्थिति की अनुमति देने में परमेश्वर के पास एक सकारात्मक कारण था।

कानून ने दासों को अस्थाई रूप से अपने स्वामियों का घर छोड़ने की अनुमति दी थी ताकि वे अपने लिए वकील या मध्यस्थ ढूंढ लें।

यदि उनेसिमुस इसलिए भागा था कि वह फिलेमोन और अपने बीच पौलुस को वकील और मध्यस्थ बनाए, तो वह भगोड़ा नहीं था।

C. मध्यस्थता (17:37)

1. उनेसिमुस की विनती (18:05)

कुछ विद्वानों के अनुसार उनेसिमुस फिलेमोन से दूर एक नया जीवन आरंभ करने का प्रयास कर रहा था और पौलुस से उसकी भेंट संयोगवश हो गई थी।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

पवित्रशास्त्र हमें कुछ विवरण प्रदान करता है जो दर्शाते हैं कि उनेसिमुस ने पौलुस को अपना वकील बनाने के लिए ढूंढने का प्रयास किया था।

- उनेसिमुस जानता था कि पौलुस कहाँ था — कुलुस्से की कलीसिया ने कारागृह में इपफ्रास को पौलुस की देखभाल के लिए भेजा था।
- उनेसिमुस एक उद्देश्य के साथ पौलुस से मिलने गया था।
- उनेसिमुस पौलुस की वकालत को प्राप्त कर सका।

पौलुस ने फिलेमोन को पत्र तभी लिखा जब उनेसिमुस पौलुस का अतिप्रिय बन गया था :

- पौलुस उनेसिमुस को मसीहियत में ले आया था।
- उनेसिमुस ने कारागृह में पौलुस की सेवा की थी।

2. पौलुस का समझौता (20:56)

फिलेमोन के पास उनेसिमुस को दंड देने का अधिकार था। इसलिए पौलुस दया के आधार पर उनेसिमुस का बचाव किया।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

परमेश्वर द्वारा निर्धारित अधिकारी उचित दण्ड देते हैं क्योंकि ऐसा करना सही बात है।

आरंभ में उनेसिमुस पौलुस के साथ अपनी सही इच्छा के प्रति उसे आश्वस्त करने के लिए ठहरा था। और इस समय के दौरान :

- पौलुस ने उनेसिमुस के समक्ष सुसमाचार का प्रचार किया
- पवित्र आत्मा उसे मसीह में विश्वास में लेकर आया।

उनेसिमुस भगोड़ा बने बिना पौलुस के साथ रह सकता था।

- नैतिक रूप से यह सर्वोत्तम समाधान नहीं होता।
- दया और मेलमिलाप के मसीही मूल्यों ने फिलेमोन के पास उसके लौटने की मांग की।

III. संरचना और विषय-वस्तु (26:52)

यह पवित्रशास्त्र में पाई जाने वाली पौलुस की एकमात्र पत्री है जो शिक्षण पर केन्द्रित नहीं है। फिलेमोन में पौलुस ने एक शिक्षक की अपेक्षा वकील के रूप में लिखा।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

फिलेमोन पौलुस का सबसे व्यक्तिगत पत्र था जिसमें उसने उनेसिमुस और फिलेमोन दोनों के लिए अपनी चिंताओं को व्यक्त किया और उनकी मित्रता पर आधारित विनतियां की।

A. अभिवादन (28:50)

पौलुस इस पत्री का मुख्य लेखक है। यह पत्री तीमुथियुस की ओर से भी है।

फिलेमोन इस पत्री का मुख्य प्राप्तकर्ता है और अन्य कई लोग इस पत्री की साक्षी देते हैं।

B. आभार-प्रदर्शन (29:59)

पौलुस ने कुलुस्से में साथी विश्वासियों को फिलेमोन के द्वारा आशीष प्रदान करने में प्रभु को धन्यवाद दिया।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

परमेश्वर सब विश्वासियों से प्रेम करता है और उन्हें क्षमा कर देता है। पौलुस ने कुलुस्सियों को इन बातों में उत्साहित किया :

- उसी प्रेम को दर्शाने
- गलती करने पर एक दूसरे को धैर्य से सह लेने
- बदला लेने की अपेक्षा क्षमा कर देने

C. विनती (32:48)

1. वकील के रूप में पौलुस (33:45)

पौलुस के पास अधिकार था कि वह फिलेमोन को उचित कार्य करने की आज्ञा दे। परन्तु इसकी अपेक्षा, उसने फिलेमोन को इस प्रकार से लिखा जिसने फिलेमोन की दया और परवाह को प्रकट किया।

पौलुस ने सहायता की आवश्यकता में पड़े कमजोर और वृद्ध व्यक्ति के रूप में बात की।

पौलुस चाहता था कि फिलेमोन इस परिस्थिति का प्रत्युत्तर सच्चे मसीही प्रेम के साथ दे।

- वृद्ध व्यक्ति पर दया
- मसीह में नए नए आए भाई पर भी दया जिसने उसकी सेवा की है

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

2. विनती करने वाले के रूप में उनेसिमुस (37:16)

पौलुस ने उनेसिमुस और फिलेमोन के बीच संबंध को स्पष्ट किया।

फिलेमोन पद 11-13 में शब्दों का खेल :

- उनेसिमुस “बिना काम” का था (अख्रेस्तोस)
- जब वह “मसीह बिना” था (अख्रेस्तोस)
- वह “बहुत काम” का बन गया (ख्रेस्तोस)
- जब उसने “मसीह” (ख्रिस्तोस) को अपना प्रभु स्वीकार कर लिया।

उनेसिमुस पौलुस की सेवा में फिलेमोन का स्थान ले रहा था।

उनेसिमुस फिलेमोन से दया की विनती करने के लिए कुलुस्से लौट रहा था :

- मेलमिलाप करने की आशा के साथ
- स्वतंत्र कर दिए जाने की आशा के साथ

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

3. स्वामी के रूप में फिलेमोन (40:55)

उनेसिमुस पर फिलेमोन का अधिकार था।

पौलुस चाहता था कि स्वयं फिलेमोन सही कार्य का चुनाव करे।

पौलुस ने सोचा कि दोनों के बीच स्वेच्छा से किया गया मेलमिलाप मसीह में उनके भाईचारे के सबंध को और भी अधिक मजबूत कर देगा।

4. शासक के रूप में परमेश्वर (43:25)

पौलुस ने उस महान् भलाई पर विचार व्यक्त किए जो परमेश्वर उनेसिमुस के पापों के माध्यम से ला सकता है यदि फिलेमोन उसके आग्रह को स्वीकार कर लेता है।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

पौलुस ने सुझाव दिया कि परमेश्वर ने उनेसिमुस और फिलेमोन के बीच झगड़े को प्रेरित करने वाली घटनाओं की अनुमति इसलिए दी कि :

- उनेसिमुस पौलुस की सहायता पाने के लिए मजबूर हो जाए
- उनेसिमुस मसीह के विश्वास में लाया जा सके
- प्रभु में साथी होने के रूप में उनेसिमुस का फिलेमोन से मेलमिलाप हो जाए

5. विनती (45:32)

पौलुस ने फिलेमोन से उनेसिमुस को क्षमा कर देने के लिए कहा।

पौलुस ने उनेसिमुस के स्थान पर स्वयं को प्रस्तुत किया यदि फिलेमोन अपने दास से पूरी रकम या उसका हर्जाना चाहता है।

पौलुस उनेसिमुस के सामने उसके पिता के रूप में खड़ा हुआ :

- फिलेमोन से उसका बचाव करते हुए
- फिलेमोन को वे कारण बताते हुए जिनके कारण वह पौलुस की खातिर दयालु बने।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

मसीही विश्वास सभी मसीही स्वामियों से उनके विश्वासी दासों को स्वतंत्र करने की मांग नहीं करता है।

- स्वतंत्रता दासत्व से अधिक चाहनेयोग्य है। (1कुरिन्थियों 7:21)।
- दास और स्वामी का संबंध ऐसे रूपों में रखा जा सकता है जो भक्तिपूर्ण हों और दोनों के लिए लाभकारी हों।
- दासत्व को मसीहरूपी संबंध में चलाएं।

6. भरोसा (53:01)

पौलुस ने विश्वास किया कि फिलेमोन वैसा ही करेगा जैसा उसने कहा है।

पवित्रशास्त्र हमें फिलेमोन के प्रत्युत्तर को नहीं दर्शाता है, और न ही हमें यह बताता है कि उनेसिमुस के साथ क्या हुआ।

D. अंतिम अभिनंदन (54:53)

पौलुस को थी कि वह शीघ्र ही कारागृह से स्वतंत्र हो जाएगा, और उसने फिलेमोन से उसके लिए एक कमरा तैयार करने को कहा।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

इपफ्रास ने फिलेमोन और उनेसिमुस के बीच के मामले को सुलझाने की साक्षी के रूप में कार्य किया।

IV. आधुनिक प्रयोग (55:54)

फिलेमोन को लिखी पौलुस की पत्री हमें दर्शाती है कि किस प्रकार उसने अपने धर्मविज्ञान को अपने जीवन में लागू किया।

उनेसिमुस और फिलेमोन के बीच पौलुस की मध्यस्थता उसकी अन्य पत्रियों, विशेषकर कुलुस्सियों और इफिसियों में पाई जानेवाली शिक्षाओं के अनुसार थी।

A. उत्तरदायित्व (57:26)

पौलुस ने कई लोगों को सामने रखा कि वे फिलेमोन को उचित कार्य करने को उत्सहित करें।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

सही कार्य यह है कि हम अपने जीवन को ज्योति के समक्ष रखें, अर्थात् ज्योति के राज्य की संगति में ताकि हम पाप करने से बच जाएं।

पुराने नियम में स्वयं परमेश्वर ने अपने लोगों को उचित कार्य करने की प्रेरणा देने के लिए शर्मिन्दा करने के की विधि का प्रयोग किया था।

- हबक्कूक 2:16

- यहेजकेल 7:8

कलीसिया द्वारा हमें उत्तरदायी ठहराने का एक तरीका यह है कि विश्वासी एक-दूसरे के साथ करीबी संगति में रहें।

फिलेमोन में पौलुस का उदाहरण बल देता है कि मसीही मनोहर संगति के द्वारा एक दूसरे के प्रति उत्तरदायी होने चाहिए।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

हमें परस्पर समर्पण, जो विश्वासियों को परस्पर रखना चाहिए, के द्वारा एक-दूसरे को उत्तरदायी ठहराना है।

कलीसिया पाप को रोक सकती है और भले कार्यों को उत्साहित कर सकती है :

- पापों के प्रति असहमति दर्शाने के द्वारा
- उत्साहवर्द्धन के द्वारा
- कलीसिया के बुद्धिमानपूर्ण परामर्श के द्वारा

B. करुणा (1:02:59)

पौलुस ने हमें उत्साहित किया कि हम फिलेमोन को लिखी उसकी पत्री में उसकी स्तुति, शिक्षा और उदाहरण के माध्यम से मसीह की करुणा का अनुसरण करें।

1. दया (1:04:34)

आधुनिक मसीही भी कलीसिया के लोगों के प्रति दया और प्रेम से प्रेरित हो जाएं, और हम हमारी पूरी क्षमता से उनकी आवश्यकताओं के प्रति प्रत्युत्तर दें।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

2. मध्यस्थता (1:06:39)

मध्यस्थता बिना किसी व्यक्तिगत जोखिम के मत की अभिव्यक्ति हो सकती है जो किसी दूसरे के पक्ष में परिस्थिति को बदल दे।

मध्यस्थता इतनी तीव्र भी हो सकती है कि कोई दोषी को बचाने के लिए अपनी जान भी दे दे।

आधुनिक मसीहियों को मध्यस्थता करने के लिए बुलाया गया है।

C. मेलमिलाप (1:08:32)

मेलमिलाप यह है :

- वहां एकता और प्रेम जहां पहले शत्रुता पाई जाती थी
- क्षमा और दया में स्थिर
- धैर्य, और सहनशीलता के द्वारा बनाए रखा जाना

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

पौलुस ने बल दिया कि उनेसिमुस और फिलेमोन दोनों का दायित्व था कि :

- वे अपने संबंधों को पुनर्स्थापित करें
- बिना कोई मनमुटाव रखे एक-दूसरे को मसीह में भाइयों के रूप में स्वीकार करें

क्योंकि हम मसीह से संयोजित है, हम सब क्षमा और आशीष पाए हुए है। इसलिए किसी भी विश्वासी के साथ मेल करने से इनकार करने का हमारे पास कोई आधार नहीं है।

विश्वासियों के बीच मेलमिलाप आधुनिक कलीसिया की सबसे पहली प्राथमिकता होनी चाहिए।

V. उपसंहार (1:13:39)

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

पुनर्समीक्षा के प्रश्न

1. फिलेमोन को लिखी पौलुस की पत्री में वे तीन लोग कौन थे जो उसकी विषय-वस्तु में सम्मिलित थे? एक-दूसरे के साथ उनके क्या संबंध थे?

2. इस पत्री के द्वारा पौलुस ने कौनसी समस्या को सुलझाने का प्रयास किया?

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

3. फिलेमोन और उनेसिमुस के बीच पौलुस की मध्यस्थता को सारगर्भित कीजिए।

4. फिलेमोन को पौलुस द्वारा लिखी पत्री की पृष्ठभूमि को जानना किस प्रकार पौलुस के लिखने के तरीके को समझने में हमारी सहायता करता है?

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

5. पद 4-7 में पौलुस ने धन्यवाद क्यों दिया?

6. पद 8-21 में पौलुस की विनती के छः पहलुओं का वर्णन कीजिए।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

7. पत्री की संरचना और विषय-वस्तु की मुख्य विशेषताओं को सारगर्भित कीजिए।

8. पौलुस की पत्री किस प्रकार मसीहियों के बीच उत्तरदायित्व की उपस्थिति की बात कहती है?

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

9. करुणा के उन दो पहलुओं का वर्णन करो जिन्हें पौलुस ने मसीहियों के साथ हमारे संबंध में महत्वपूर्ण समझा।

10. पौलुस ने उनेसिमुस और फिलेमोन के बीच मेल-मिलाप की वकालत किस प्रकार की?

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

11. उन तीन रूपों को सारगर्भित कीजिए जिनमें फिलेमोन को दी गई पौलुस की शिक्षा कलीसिया पर लागू होती है।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

उपयोग के प्रश्न

1. किस प्रकार की समस्याओं में प्रायः बाहर के व्यक्ति की मध्यस्थता की आवश्यकता पड़ती है? क्या अपने कभी ऐसी परिस्थिति का सामना किया है जहाँ मध्यस्थता की आवश्यकता पड़ी हो?

2. आप स्वयं को इस पत्री में सबसे अधिक किस व्यक्ति के साथ पहचानते हैं : पौलुस, फिलेमोन या उनेसिमुस? क्यों?

3. पौलुस उनेसिमुस के लिए एक वकील था और फिलेमोन के सामने उसका बचाव करने के द्वारा उसने एक भारी कीमत अदा की। आपके लिए कौन एक वकील के रूप में रहा है? आपको किसकी वकालत करनी चाहिए?

4. उनेसिमुस के लिए पौलुस की वकालत को किसने प्रेरित किया?

5. पौलुस ने पहचाना कि मतभेद और झगड़े के बीच भी परमेश्वर कार्य कर रहा है। आपके अपने अनुभव में यह बात कैसे सही रही है?

6. पौलुस ने दया के आधार पर अपने मित्र फिलेमोन से अपील की। उसने यह नीति क्यों अपनाई? आपको क्या सरल लगता है : दया की अपील करना या मांग करना?

7. किस प्रकार क्षमा आपके जीवन में मेल-मिलाप को लेकर आई है?

8. उनेसिमुस और फिलेमोन को अपने संबंध को पुनः स्थापित करने के लिए जिम्मेदारी लेनी जरुरी थी। क्या कोई ऐसी जिम्मेदारी है जो आपको अपने किसी टूटे संबंध में मेल-मिलाप करने के लिए लेनी जरुरी है?

9. इस अध्ययन से आपने कौनसी सबसे महत्वपूर्ण बात सीखी है?

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org